महाप्रबंधक कार्यालय
पश्चिम मध्य रेल,
इंद्रा मार्केट, जबलपुर

" पश्चिम मध्य रेलवे, राजभाषा पखवाड़ा 2021 समापन समारोह"

पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

पश्चिम मध्य रेल, मुख्यालय द्वारा दिनांक 03.09.2021 से 14.09.2021 तक आयोजित राजभाषा पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 21.09.2021 को अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी जी के मुख्य आतिथ्य में सतपुड़ा रेलवे क्लब, जबलपुर में उल्लासपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते अपने उद्‌बोधन में **अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी ने कहा कि हिंदी दिवस हम भारतवासियों के लिए एक विशेष दिवस है। जैसा कि हम सभी के जीवन में माँ का विशेष स्थान होता है, उसी तरह मातृभाषा हमारे जीवन निर्माण में विशेष महत्व रखती है। उन्होंने आधुनिक हिंदी साहित्य के महान साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चंद्र के कथन "मातृभाषा कि उन्नति के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है।"** का उल्लेख किया।

उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में हिंदी भाषा में भारतीय संस्कृति की मिट्टी की खुशबू आती है। हिंदी भाषा का विकास भारत की सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हुआ है। हम इसके विकास में अन्य भाषा-भाषी साहित्यकारों जैसे सुब्रह्मण्यम स्वामी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, अमृता प्रीतम आदि के योगदान को भुला नहीं सकते।

उन्होंने बताया कि महाप्रबंधक महोदय ने भी अपने हिंदी दिवस संदेश में हम सभी से सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने को कहा है। आपने यह भी बताया कि हिंदी के प्रति महाप्रबंधक महोदय के सराहनीय प्रयासों के लिए रेलवे बोर्ड ने उन्हें **"कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक"** से सम्मानित किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगे भी हम अपने कामकाज इसी तरह करते रहेंगे और पुरस्कार प्राप्त करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रविशंकर सक्सेना ने हिंदी दिवस के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने भारत में आधुनिक हिंदी और रेल की शुरूआत लगभग एक साथ होने की ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इस उप महाद्वीप में 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर से ठाणे के बीच ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे नाम से पहली रेल प्रारंभ की गई थी।

उस समय ब्रिटिश प्रशासन ने भी रेलवे समय सारणी और टिकटों आदि में अंग्रेजी के साथ देवनागरी लिपि का प्रयोग किया था। आज पूरे भारत में जहाँ तक रेल गई है, वहाँ तक हिंदी भी पंहुची है। उन्होंने आगे कहा कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता में रेलवे का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने संवैधानिक व्यवस्थाओं और ग्राहक संतुष्टि एवं सुविधाओं की दृष्टि से भी हिंदी का प्रयोग आवश्यक बताया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए अपना अधिकाधिक सरकारी काम-काज हिंदी में करने का आग्रह किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुति रही। इसमें सांस्कृतिक अकादमी के कलाकार श्रीमती दीपा सिंह, श्री रिजवान, श्री संजीव कुमार सिन्हा एवं विनोद कुमार ने अपनी सुमधुर आवाज से श्रोताओं का मन मोह लिया।

इस अवसर पर वर्ष भर में हिंदी में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मुख्यालय के 07 अधिकारियों व 39 कर्मचारियों, पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल 20 कर्मचारियों को अपर महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी द्वारा राजभाषा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी, श्री राज रंजन श्रीवास्तव ने किया। आभार प्रदर्शन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री राहुल श्रीवास्तव ने किया।

——

संख्याः पमरे/मुख्या/मुजसअधि/प्रेस विज्ञप्ति/377/2021 दिनांक 21.09.2021

सम्माननीय संपादक

कृपया जनहित में उपरोक्त समाचार अपने लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित कर सहयोग करें.

'सधन्यवाद

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर